an>

Title: Need to prevent wild animal menace in Sindhudurg Parliamentary Constituency of Maharashtra.

श्री विनायक भाऊराव राऊत (रत्नागिरी-सिंधुदुर्ग) : अध्यक्ष महोदया जी, धन्यवाद। महाराष्ट्र के सिंधुदुर्ग जिले के कुडाल तहसील में कई रिहायशी गांव हैं - मानगांव और अन्य रिहायशी गांव हैं, उन गांवों में हाथियों द्वारा बहुत ज्यादा उपद्रव किए जा रहे हैं। पिछले वर्ष इन हाथियों ने उन इलाकों के लगभग 8 व्यक्तियों की हत्या की है और कई जनों को जख्मी किए हैं। इन हाथियों के उपद्रव के कारण वहां के किसानों ने खेती करना बंद कर दिया है। जो छात्र स्कूल जाते हैं, वे स्कूल नहीं जा सकते हैं। सिर्फ रिहायशी गांवों में ही नहीं बल्कि उनके नजदीक के जो शहरी इलाके हैं, उन इलाकों में भी इन हाथियों के उपद्रव बढ़ते जा रहे हैं।

अध्यक्ष महोदया, पिछले कई वर्षों से वहां के रिहायशी गांवों के लोग उन हाथियों को पकड़ कर अन्य जगह पर छोड़ने की मांग कर रहे हैं, लेकिन दुर्भाग्य से आज तक उस पर सही तरीके से इलाज नहीं हो सका है।

अध्यक्ष महोदया, मैंने सुना है कि रिहायशी बस्तियों में जो आदमखोर जानवर होते हैं, उनकी वजह से जो आतंक बढ़ रहा है, उनके लिए पूरी तरह से बदोबस्त करने के लिए शासन के पास योजना है। आपके माध्यम से शासन से मेरी विनंती है कि सिंधुदुर्ग जिले के कुडाल तहसील के जिन गांवों में ऐसे जंगली हाथियों एवं अन्य जानवरों के द्वारा जो उपद्रव हो रहे हैं, उन्हें रोकने के लिए शासन के द्वारा कड़ी उपाय-योजना होनी चाहिए। वहां के रिहायशी गांव के लिए सुरक्षा होनी चाहिए।